भक्ति आन्दोलन

1. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
   सूची–I (आचार्य)
   A. रामानुजाचार्य
   B. निम्बार्क आचार्य
   C. माधवाचार्य
   D. विष्णु स्वामी
   सूची–II (मत/विचारधारा/वाद)
   1. विशिष्टाद्वैत
   2. द्वैताद्वैत/भेदाभेद
   3. द्वैत
   4. शुद्धाद्वैत
   (अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
   (ब) A – 2, B – 1, C – 3, D - 4
   (स) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
   (द) A – 1, B – 2, C – 4, D - 3
   उत्तर : (अ)
   व्याख्याः– संत रामानुजाचार्य ने भगवान राम को अपना आराध्य माना। इनका जन्म 1017 ई. में मद्रास के निकट पेरुम्बर में हुआ था। श्री सम्प्रदाय के संस्थापक रामानुजाचार्य ने विशिष्टाद्वैतवाद के सिद्धांत का प्रतिपादन किया जिसके अनुसार आत्मा परमात्मा से जुड़ने के बाद भी अपनी अलग सत्ता बनाये रखती है। रामानुज के अनुयायियों को वैष्णव कहा जाता है। रामानुज ने भक्ति के मार्ग पर जोर दिया। सनकादि सम्प्रदाय के संस्थापक निम्बार्क आचार्य ने द्वैताद्वैतवाद, ब्रह्म सम्प्रदाय के संस्थापक माधवाचार्य ने द्वैतवाद तथा रुद्र सम्प्रदाय के संस्थापक विष्णुस्वामी ने शुद्धद्वैतवाद का प्रतिपादन किया।
2. भक्ति आंदोलन के प्रारंभिक प्रतिपादक थे–
   (अ) रामानुजाचार्य (ब) ज्ञानदेव
   (स) वल्लभाचार्य (द) निम्बार्क आचार्य
   उत्तर : (अ)
   व्याख्या– मध्य काल में भक्ति आन्दोलन की शुरूआत सर्वप्रथम दक्षिण के अलवार भक्तों द्वारा की गई। दक्षिण भारत से उत्तर भारत में बारहवीं शताब्दी के प्रारम्भ में रामानन्द द्वारा यह आन्दोलन लाया गया। भक्ति आन्दोलन का महत्वपूर्ण उद्देश्य हिन्दू धर्म एवं समाज में सुधार तथा इस्लाम एवं हिन्दू धर्म में समन्वय स्थापित करना था।
3. पंजाब में भक्ति आंदोलन के अग्रदूत थे–
   (अ) नानक (ब) अर्जुन देव
   (स) तेगबहादुर (द) गुरु गोविन्द सिंह
   उत्तर : (अ)
   व्याख्या– प्रथम सिक्ख गुरु और सिक्ख धर्म के प्रवर्तक गुरु नानक भी निर्गुण भक्ति के संत और समाज सुधारक थे। उन्होंने सभी प्रकार के जाति भेद और धार्मिक वैमनस्यता तथा रीति रिवाजों का विरोध किया। उन्हें पंजाब में भक्ति आन्दोलन का प्रतिपादक कहा जाता है।
4. भक्ति आंदोलन को दक्षिण भारत से लाकर उत्तर भारत तक प्रचारित करने का श्रेय किसे दिया जाता है ?
   (अ) शंकराचार्य (ब) रामानुज
   (स) रामानंद (द) कबीर
   उत्तर : (स)
   व्याख्या– रामानंद को मध्यकालीन भक्ति आंदोलन का महान् संत माना जाता है। वे पुरी और दक्षिण भारत के कई धर्मस्थानों पर गये और रामभक्ति का प्रचार किया। उत्तर भारत में भक्ति का प्रचार करने का श्रेय स्वामी रामानंद को जाता है।
5. महाराष्ट्र में भक्ति संप्रदाय निम्नलिखित में से किसकी शिक्षाओं द्वारा फैला था ?
   (अ) संत तुकाराम (ब) संत ज्ञानेश्वर
   (स) समर्थ गुरु रामदास (द) चैतन्य महाप्रभु
   उत्तर : (ब) SSC 2002
   व्याख्या– महाराष्ट्र में भक्ति संप्रदाय संत ज्ञानेश्वर की शिक्षाओं द्वारा फैला था। संत ज्ञानेश्वर की गणना भारत के महान् संतों एवं मराठी कवियों में होती है। ये संत नामदेव के समकालीन थे और उनके साथ इन्होंने पूरे महाराष्ट्र का भ्रमण कर लोगों को ज्ञान–भक्ति से परिचित कराया।
6. कबीर के गुरु कौन थे ?
   (अ) रामानुज (ब) रामानंद
   (स) वल्लभाचार्य (द) नामदेव
   उत्तर : (ब) SSC 1999, RRB 2005
   व्याख्या– कबीर के गुरु रामानंद थे। स्वामी रामानंद ने राम भक्ति का द्वार सबके लिए सुलभ कर दिया। साथ ही विरक्त संन्यासियों के लिए कठोर नियम भी बनाये। उन्होंने अनंतानंद, भावानंद, पीपी, सेन, धन्ना, नाभादास, नहरर्यानंद, सुखानंद, कबीर, रैदास, सुरसरी, पदमावती जैसे बारह लोगों को अपना प्रमुख षिष्य बनाया जिन्हें द्वादष महाभागवत के नाम से जाना जाता है।
7. संत कबीर का जन्म कहाँ हुआ था ?
   (अ) दिल्ली (ब) मगहर/वाराणसी
   (स) मथुरा (द) हैदराबाद
   उत्तर : (ब) SSC 2002

www.rajstudents.com

8. निम्नलिखित में से कौन–सा/से वाक्य दक्षिण भारत के भक्ति आंदोलन के संदर्भ में सत्य है/हैं ?
1. इसका नेतृत्व कई लोकप्रिय संतों द्वारा किया गया था।
2. इसके समर्थक संस्कृत में बोलते एवं लिखते थे।
3. इसने जाति व्यवस्था का विरोध किया था।
4. इसके प्रचार–प्रसार में महिलाएँ सक्रिय रूप से भाग नहीं लेती थी।
कूट :
(अ) 1 और 2 (ब) 1 और 3
(स) केवल 1 (द) केवल 4
उत्तर : (ब) RRB 2006

9. चैतन्य महाप्रभु किस संप्रदाय से जुड़े थे ?
(अ) श्री संप्रदाय (ब) वारकरी संप्रदाय
(स) गौड़ीय संप्रदाय (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) RRB 2005
व्याख्या– चैतन्य महाप्रभु वैष्णव धर्म के भक्ति योग के परम प्रचारक एवं भक्तिकाल के प्रमुख कवियों में से एक हैं। इन्होंने वैष्णवों के गौड़ीय संप्रदाय की आधारषिला रखी। इन्होंने भजन गायकी की एक नयी शैली को जन्म दिया तथा राजनैतिक अस्थिरता के दिनों में हिन्दू–मुस्लिम एकता की सद्भावना को बल दिया।

10. पुष्टि मार्ग के दर्शन की स्थापना किसने की ?
(अ) चैतन्य ने (ब) नानक ने
(स) सूरदास ने (द) वल्लभाचार्य ने
उत्तर : (द) RRB 2005
व्याख्या– वल्लभाचार्य द्वारा प्रतिपादित शुद्धाद्वैतवाद दर्षन के भक्तिमार्ग को पुष्टिमार्ग कहते हैं। इस मत के अनुसार ब्रह्म माया से अलिप्त है, इसलिये शुद्ध है। पुष्टिमार्ग के अनुसार सेवा दो प्रकार से होती है–नाम सेवा और स्वरूप सेवा। पुष्टिमार्ग में जीवों के तीन प्रकार बताये जाते हैं– प्रवाह जीव, मर्यादा जीव और पुष्टि जीव। पुष्टि मार्ग में भक्ति की भी तीन प्रकार की अवधारणाएँ हैं– प्रवाह पुष्टि भक्ति, मर्यादा पुष्टि भक्ति और शुद्ध पुष्टि भक्ति।

11. किस संत ने ईश्वर को अपने पास अनुभव करने के लिए नृत्य एवं गीतों (कीर्तन) को माध्यम बनाया ?
(अ) शंकरदेव (ब) चंडी दास
(स) ज्ञानदेव (द) चैतन्य महाप्रभु
उत्तर : (द) RRB 2004

12. अद्वैतवाद के सिद्धांत के प्रतिपादक कौन थे ?
(अ) रामानुज (ब) शंकराचार्य
(स) मध्वाचार्य (द) विवेकानंद
उत्तर : (ब) RRB 2004

13. निम्न संतों का कालक्रमानुसार व्यवस्थित कर कूट में उत्तर दें–
1. कबीर
2. नानक
3. चैतन्य
4. तुलसीदास
कूटः
(अ) 1, 2, 3, 4 (ब) 2, 3, 4, 1
(स) 3, 1, 2, 4 (द) 3, 2, 4, 1
उत्तर : (अ) RRB 2003

14. भक्ति आंदालेन के दौरान असम में किसने इस आंदोलन का प्रतिनिधित्व किया ?
(अ) शंकरदेव (ब) तुकाराम
(स) नरसिंह मेहता (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ) RRB 2005

15. 'गीत गोविंद' के रचयिता हैं–
(अ) बाणभट्ट (ब) जयदेव
(स) सूरदास (द) चैतन्य
उत्तर : (ब) RRB 2002

16. गुरु नानक का धर्म उपदेश है–
(अ) मानव बंधुत्व का
(ब) सिखों को लड़ाकू संगठन बनाने का
(स) धर्म के रूप में सिखत्व का
(द) सिखों की एकता का
उत्तर : (अ) RRB 2005

17. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (शंकराचार्य द्वारा स्थापित मठ)
A. श्रृंगेरी पीठ
B. गोवर्धन पीठ
C. ज्योतिष पीठ
D. शारदा पीठ
सूची–II (स्थल)
1. मैसूर, कर्नाटक
2. पूरी, उड़ीसा
3. बद्रीनाथ, उत्तर प्रदेश
4. द्वारका, गुजरात
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 2, B – 1, C – 3, D - 4
(स) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(द) A – 1, B – 2, C – 4, D - 3
उत्तर : (अ)

18. निम्नलिखित में से किस भाषा को लोकप्रिय बनाने में कवि चण्डीदास का योगदान है ?
(अ) बंगाली (ब) हिन्दी
(स) मराठी (द) गुजराती
उत्तर : (अ)

www.rajstudents.com

19. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (संतों के नाम)
A. बल्लभाचार्य
B. चैतन्य महाप्रभु
C. मीराबाई
D. नामदेव
सूची–II (संतों के कार्य क्षेत्र)
1. उत्तर प्रदेश, राजस्थान
2. बंगाल
3. राजस्थान
4. महाराष्ट्र
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 2, B – 1, C – 3, D - 4
(स) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(द) A – 1, B – 2, C – 4, D - 3
उत्तर : (अ)

20. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (संत कवि)
A. मीराबाई
B. त्यागराज
C. चंडीदास
D. पुरंदरदास
सूची–II (उनकी रचनाओं की भाषा)
1. बंगला
2. हिन्दी
3. तेलुगु
4. कन्नड़
(अ) A – 2, B – 3, C – 1, D - 4
(ब) A – 2, B – 1, C – 3, D - 4
(स) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(द) A – 1, B – 2, C – 4, D - 3
उत्तर : (अ) SSC 2003

21. भक्ति को दार्शनिक आधार प्रदान करने वाले प्रथम आचार्य थे–
(अ) रामानुज आचार्य (ब) शंकराचार्य
(स) मध्वाचार्य (द) वल्लभाचार्य
उत्तर : (अ)

22. 'महापुरुषीय धर्म' (एक शरण संप्रदाय) के संस्थापक थे–
(अ) रामानुज आचार्य (ब) वल्लभाचार्य
(स) चैतन्य महाप्रभु (द) शंकरदेव
उत्तर : (द)

23. शंकरचार्य का जन्म केरल के किस गाँव में हुआ ?
(अ) कलादि (ब) निम्बापुर
(स) उदिपी (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

24. सभी भक्ति संतों के मध्य एक समान विशेषता थी कि उन्होंने–
(अ) अपनी वाणी को उसी भाषा में लिखते थे जिसे उनके भक्त समझते थे
(ब) पुरोहित वर्ग की सत्ता को नकारा
(स) स्त्रियों को मंदिर जाने को प्रोत्साहित किया
(द) मूर्ति पूजा को प्रोत्साहित किया
उत्तर : (अ) BPSC 2005

25. भक्ति आंदोलन का प्रारंभ किया गया–
(अ) आलवार–नयनार संतों द्वारा
(ब) सूफी संतों द्वारा
(स) सूरदास द्वारा
(द) तुलसीदास द्वारा
उत्तर : (अ) UPPCS 2003

26. रामानुज के अनुयायियों को कहा जाता है–
(अ) शैव (ब) वैष्णव
(स) अद्वैतवाद (द) अवधूत
उत्तर : (ब) UPPCS 1999

27. आदिशंकर, जो बाद में शंकरचार्य बने, उनका जन्म हुआ था–
(अ) कश्मीर में (ब) पश्चिम बंगाल में
(स) आन्ध्र प्रदेश में (द) केरल में
उत्तर : (द) UPPCS 1999

28. 'बीजक' का रचयिता कौन है ?
(अ) सूरदास (ब) कबीर
(स) रैदास (द) पीपा
उत्तर : (ब) MPPSC 2000

29. भक्ति रस कवयित्री मीराबाई थी–
(अ) एक कुलीन नारी जिसने कभी विवाह नहीं किया
(ब) गुजराती शाही परिवार में संबंधित, जिनका विवाह राजपूत से हुआ
(स) मध्य प्रदेश के एक पुजारी की पुत्री
(द) एक राजपूत शासक की पत्नी
उत्तर : (द) RAS/RTS 2003

30. प्रसिद्ध भक्त कवयित्री मीराबाई के पति का नाम था–
(अ) राणा रतन सिंह (ब) राजकुमार भोजराज
(स) राणा उदय सिंह (द) राणा सांगा
उत्तर : (ब) RAS/RTS 1998

31. बुद्ध और मीराबाई के जीवन दर्शन में मुख्य साम्य था–
(अ) अहिंसा व्रत का पालन
(ब) निर्वाण के लिए तपस्या
(स) संसार दुखपूर्ण है
(द) सत्य बोलना
उत्तर : (स) RAS/RTS 1992

www.rajstudents.com

32. ''ब्रह्म सत्य है और जगत मिथ्या (भ्रम या माया) है'' यह किसकी उक्ति है ?
(अ) शंकराचार्य (ब) रामानुजाचार्य
(स) वल्लभाचार्य (द) चैतन्य
उत्तर : (अ)

33. निम्नलिखित में से किसे कुछ विचारकों ने 'प्रच्छन्न बौद्ध' की संज्ञा दी है ?
(अ) रामानुजाचार्य (ब) शंकराचार्य
(स) कुमारिल भट्ट (द) चैतन्य
उत्तर : (ब)

34. रामानुजाचार्य को किस कट्टर शैव मतावलम्बी चोल शासक की धमकी के कारण त्रिचनापल्ली छोड़कर मैसूर जाना पड़ा ?
(अ) राजराजा प्रथम (ब) राजेन्द्र प्रथम
(स) कुलोतुंग प्रथम (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

35. रामानुजाचार्य को होयसल वंश के जैन धर्मावलम्बी शासक विट्टिंग को वैष्णव धर्मावलम्बी बनाने में सफलता मिली। विट्टिंग ने अपना नाम बदलकर क्या रखा ?
(अ) विष्णुवर्धन (ब) विष्णुस्वामी
(स) रामास्वामी (द) विट्ठलस्वामी
उत्तर : (अ)

36. किसने भक्ति के क्षेत्र में 'शूद्रों को भगवत दर्शन व मोक्ष का अधिकार देकर उन्हें इस्लाम धर्म स्वीकार करने से रोका ?
(अ) रामानुजाचाय्र (ब) वल्लभाचार्य
(स) चैतन्य महाप्रभु (द) मध्वाचार्य
उत्तर : (अ)

37. दक्षिण भारत का वह संत कौन था जिसने अपना अधिकांश जीवन उत्तर भारत में वृन्दावन में बिताया था ?
(अ) रामानुजाचार्य (ब) निम्बार्क आचार्य
(स) मध्वाचार्य (द) विष्णु स्वामी
उत्तर : (ब)

38. महाराष्ट्र में विठोबा या विट्ठल (विष्णु का एक नाम) आंदोलन का केन्द्र था–
(अ) पण्ढ़रपुर (ब) पैठन
(स) कार्ले (द) एलीफैण्टा
उत्तर : (अ)

39. किसने भगवत्गीता पर 'भावार्थ दीपिका' नाम से एक वृहत टीका मराठी में 'ज्ञानेश्वरी' के नाम से जाना जाता है ?
(अ) ज्ञानदेव (ब) नामदेव
(स) एकनाथ (द) तुकाराम
उत्तर : (अ)

40. ''यदि संस्कृत देवभाषा है तो क्या मेरी मातृभाषा (मराठी) दस्यु भाषा है'' यह उक्ति किसकी है ?
(अ) ज्ञानदेव (ब) एकनाथ
(स) तुकाराम (द) रामदास
उत्तर : (ब)

41. भक्त तुकाराम कौनसे मुगल सम्राट् समकालीन थे ?
(अ) बाबर (ब) अकबर
(स) जहाँगीर (द) औरंगजेब
उत्तर : (स) UPPCS 2006

42. निम्नलिखित में से कौनसा एक सही कालानुक्रम है ?
(अ) शंकराचार्य–रामानुज–चैतन्य
(ब) रामानुज–शंकराचार्य–चैतन्य
(स) रामानुज–चैतन्य–शंकराचार्य
(द) शंकराचार्य–चैतन्य–रामानुज
उत्तर : (अ) UPPCS 2004

43. निम्नलिखित में किस भक्ति संत ने अपने संदेश के प्रचार के लिए सबसे पहले हिन्दी का प्रयोग किया ?
(अ) दादू (ब) कबीर
(स) रामानंद (द) तुलसीदास
उत्तर : (स) UPPCS 2002

44. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (संत)
A. नामदेव
B. कबीर
C. रैदास
D. सेना
सूची–II (व्यवसाय)
1. नाई
2. जुलाहा
3. दर्जी
4. मोची
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 3, B – 2, C – 4, D - 1
(स) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(द) A – 1, B – 2, C – 4, D - 3
उत्तर : (ब)

45. शिवाजी महाराज के आध्यात्मिक गुरु कौन थे ?
(अ) रामदास (ब) तुकाराम
(स) एकनाथ (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

46. 'दास बोध' के रचयिता थे–
(अ) एकनाथ (ब) तुकाराम
(स) रामदास (द) तुलसीदास
उत्तर : (स)

47. गुरु नानक का जन्म 1469 ई. में कहाँ हुआ था ?
(अ) तलवंडी/ननकाना (ब) मुल्तान
(स) अमृतसर (द) रोपड़
उत्तर : (अ)

48. सिख धर्म का संस्थापक किसे माना जाता है ?
(अ) गुरु नानक (ब) गुरु अर्जुन देव
(स) तेगबहादुर (द) गुरु गोविंद सिंह
उत्तर : (अ)

49. बंगाल और उड़ीसा में वैष्णववाद को लोकप्रिय बनाने का श्रेय किसे है ?
(अ) चैतन्य (ब) कबीर
(स) रामानुजाचार्य (द) नानक
उत्तर : (अ)

50. चैतन्य महाप्रभु का जन्म स्थल है–
(अ) नदिया/नवद्वीप (ब) तलवंडी
(स) निम्बापुर (द) मगहर
उत्तर : (अ)

51. उड़ीसा नरेश प्रतापरुद्र किस वैष्णव संत का शिष्य था ?
(अ) चैतन्य (ब) शंकरदेव
(स) कबीर (द) चण्डीदास
उत्तर : (अ)

52. निम्नलिखित में से किसे 'गौरांग प्रभु' भी कहा जाता है ?
(अ) चैतन्य (ब) वल्लभाचार्य
(स) रामानुज (द) शंकराचार्य
उत्तर : (अ)

53. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (रचना)
A. पदावली
B. रामचरितमानस
C. सूरसागर
D. बीजक
सूची–II (रचनाकार)
1. विद्यापति
2. सूरदास
3. तुलसीदास
4. कबीरदास
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 1, B – 3, C – 2, D - 4
(स) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(द) A – 1, B – 2, C – 4, D - 3
उत्तर : (ब)

54. 'असम का चैतन्य' किसे कहा जाता है ?
(अ) शंकर देव (ब) लालगिर
(स) दरिया साहेब (द) शिवनारायण
उत्तर : (अ)

55. महात्मा गाँधी के प्रिय भजन–''वैष्णव जन तो तेने कहिए/जो पीर पराई जाने रे'' के रचयिता है–
(अ) नरसिंह मेहता (ब) वल्लभाचार्य
(स) कबीर (द) सूरदास
उत्तर : (अ)

56. मुगल शासक मुहम्मद शाह 'रंगीला' किस संप्रदाय का अनुयायी था ?
(अ) शिवनारायण (ब) राधावल्लभ
(स) एकशरण (द) सतनामी
उत्तर : (अ)

57. निम्नलिखित में से कौन भक्ति आंदोलन का प्रस्तावक नहीं था ?
(अ) नागार्जुन (ब) तुकाराम
(स) त्यागराज (द) वल्लभाचार्य
उत्तर : (अ) UPPSC 2010

www.rajstudents.com